13

असाम्प्रदायिक मसीहियत: एक और "कांटा"

असाम्प्रदायिक मसीहियत की इस चर्चा में, रास्ते में हमें एक और "कांटा" मिल गया है जिसे निष्कपट मन के लोगों में पाई जाने वाली फूट कहा जा सकता है। कुछ लोगों का मानना है कि बपतिस्मा पानी छिड़ककर, उंडेलकर या डुबोकर हो, किसी भी तरह दिया जाने वाला बपतिस्मा पवित्र शास्त्र के अनुसार ही है। एक क्षण के लिए मैं ऐसे लोगों की निष्कपटता या उनके स्पष्ट अभिप्रायों पर कोई प्रश्न नहीं उठाऊंगा, लेकिन मुझे इतना यकीन अवश्य है कि वे गलत हैं। यह मैं इतने यकीन से इसलिए कहता हूं क्योंकि परमेश्वर ने अपने आपको इस बात में इतना स्पष्ट कर दिया है कि निष्कपट मन वाले लोगों को पवित्र आत्मा की भाषा की निष्पक्ष और सावधानीपूर्वक जांच से एक ही बात पर सहमत होना आवश्यक है। "परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता" (गलातियों 6:7), और वह हमसे एक होने की बिनती करता है; इसलिए यदि हम चाहें तो एक हो सकते हैं।

क्योंकि हम पवित्र आत्मा की भाषा से इस बात को मानते हैं कि बपतिस्मा क्षमा के लिए एक ईश्वरीय शर्त है, इसलिए इसके अर्थ को यह जानने के लिए कि हम अपने प्रभु की आज्ञा कैसे मानें मन लगाकर खोजना अच्छा रहेगा। यह आवश्यक है क्योंकि सचमुच में मसीही बनने वाला व्यक्ति प्रभु "को भाते" रहने के लिए, उसकी आज्ञा मानता है (2 कुरिन्थियों 5:9)। यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि हर विश्वासी व्यक्ति हर दूसरे सच्चे विश्वासी के साथ एक होना चाहता है। निश्चय ही जब एक जन यह सिखाए कि बपतिस्मा पानी छिड़ककर हो सकता है और दूसरा यह सिखाता हो कि यह केवल डुबकी से ही हो सकता है तो यकीनन ही हम एक बात नहीं बोल रहे होंगे। जिसका अर्थ यह हुआ कि हम एक मन और एक चित्त से पूरी तरह एक नहीं हुए हैं। यदि हमारे मन परमेश्वर के साथ मिले हैं, यदि हम मसीह को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो हम "बपतिस्मा" और "बपतिस्मा देना" शब्दों से वही जानना चाहेंगे जो हमारा प्रभु हमसे चाहता है, और इसका वास्तविक उत्तर जाने बिना संतुष्ट नहीं होंगे। इसलिए आइए सावधानीपूर्वक और निष्पक्ष होकर अपने प्रभु द्वारा इस्तेमाल किए गए इस शब्द की समीक्षा करें।

जब मैं छोटा था, तो मेरे शिक्षक मुझे सिखाते थे कि शब्द हमारे विचारों का आईना होते हैं और विचार हमारे मन की तस्वीर होते हैं। यदि यह बात ठीक है, तो दो लोग जो किसी शब्द

के अर्थ को समझते हैं वे उस शब्द की एक ही तस्वीर देखते हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि मैं दस बच्चों की कक्षा में ब्लैकबोर्ड पर ''गाय'' लिखता हूं, तो उन सबका ध्यान एक पशु अर्थात गाय की ओर ही जाएगा। हर किसी के सामने एक ही तरह की आकृति आएगी। यदि उनमें से एक को गाय भेड़ जैसी लगे, दूसरे को सूअर जैसी और किसी दूसरे को यह मुर्गे जैसी लगे तो उसका अर्थ यह होगा कि उनमें से किसी को भी इसका अर्थ समझ नहीं आया। ''कूदना'' शब्द पर विचार करें। मान लीजिए कि एक बच्चा इसे दौड़ना, दूसरा चलना और एक और बच्चा इसे रेंगना कहता है। यहां भी इन तीनों को इस शब्द का अर्थ समझ नहीं आया।

मान लीजिए कि मैं किसी दुकान वाले को ''डाक'' से एक कुर्सी भेजने के लिए कहता हूं, लेकिन भेजने वाले को लगा कि यह ''कुर्सी'' नहीं कालीन लिखा है। इसका परिणाम क्या होगा? वह निश्चय ही मुझे कुर्सी की जगह एक कालीन भेजेगा। मान लीजिए कि मैंने एक जीवित बकरा मंगवाना था, परन्तु लिखते समय मुझसे ''मुर्गा'' लिखा गया। दुकानदार मुझे क्या भेजेगा? स्पष्ट है कि वह मुझे मुर्गा ही देगा। ''हम एक तरह ही नहीं समझ सकते'' कि शिक्षा को माना जाए तो पूरा व्यापारिक संसार एक सप्ताह में ही *तहस नहस* हो जाएगा। हज़ारों मील दूर रहने वाले लोग ऑर्डर देने में बिना कोई गलती किए हर रोज़ वस्तुओं को खरीदने और बेचने का व्यवसाय करते हैं, क्योंकि वे शब्दों का अर्थ एक ही तरह समझते हैं। वही लोग स्वर्ग से व्यापार करते समय परमेश्वर के शब्दों का अर्थ एक ही तरह क्यों नहीं समझ सकते?

यीशु ने ''बपतिस्मा'' शब्द के क्रिया रूप का इस्तेमाल किया। इसके अर्थ को समझने के लिए हमें उस क्रिया को देखना आवश्यक है जो यीशु इसमें डालना चाहता था। सही क्रिया को देखकर ही हमें इसका अर्थ एक ही तरह से समझ में आएगा। यदि यीशु ने अस्पष्ट शब्द का इस्तेमाल नहीं किया हो तो निश्चय ही यह सम्भव है; और यदि उसने ऐसा किया है तो बपतिस्मे की क्रिया पर संसार में पाई जाने वाली असहमति के लिए जिम्मेदार वही है।

उसके शब्द का क्या अर्थ है? ''बपतिस्मा'' का क्रिया रूप एक यूनानी शब्द है, जिसका कभी अनुवाद नहीं हुआ, बल्कि वैसे का वैसे ही स्थानीय भाषा में रूपांतरित कर दिया गया। क्योंकि यह शब्द हिन्दी या अंग्रेज़ी भाषा का नहीं बल्कि यूनानी शब्द है इसलिए हमें इसका अर्थ जानने के लिए अंग्रेज़ी या हिन्दी शब्दकोश के बजाय यूनानी शब्दकोश देखना चाहिए। यूनानी भाषा सिखाने वाला कोई भी शिक्षक इस बात से सहमत होगा कि इस शब्द को यूनानी भाषा से बिना अनुवाद किए अंग्रेज़ी या हिन्दी में मिला दिया गया है। यह सही होने के कारण, स्पष्ट है कि हमें अपने मन में इस शब्द से वही विचार या आकृति बनानी चाहिए जो यूनानियों ने इसमें देखी थी।

''बपतिस्मा'' उनके लिए कोई नया शब्द नहीं था बल्कि यह एक पुराना शब्द था। क्योंकि यूनानी लोग सदियों तक इसका अर्थ बदले बिना इसका इस्तेमाल करते रहे। यदि यीशु के समय में जब इस शब्द का इस्तेमाल हुआ, इसे एक हज़ार यूनानियों के सामने बोर्ड पर लिख दिए जाने पर हर कोई इसके अर्थ को ''एक ही तरह समझकर'' बिल्कुल पहचान लेता कि यह शब्द क्या है। उन्हें ''बपतिस्मा'' की आकृति वैसी ही दिखाई देती जैसे आज ''गाय'' शब्द पढ़कर हमारे मन में आती है। हमारे प्रभु का शब्द इतना स्पष्ट था।

गुडविन'स ग्रीक ग्रामर के लेखक डज़्ल्यू. डज़्ल्यू. गुडविन ने जे. डज़्ल्यू. शैफर्ड के नाम जुलाई 27, 1893 को लिखे एक पत्र में, ''बपतिस्मा'' (baptize; यू.: *baptizo*) के लिए कहा था, ''मुझे साधारण शज़्दकोशों में पाए जाने वाले *बेपटिज़ो* का कोई ज्ञान नहीं है।'' इसका अर्थ डुबोना है जो *बेपटो* का एक रूप है, और इस मामले में मुझे किसी विशेष बात का ज्ञान नहीं है। लिड्ल और स्कॉट के यूनानी शज़्दकोश में कहा गया है, '' *बेपटिज़ो:* (1) पानी में या भीतर डुबोना ... । (2) बड़े बर्तन में से कप या गिलास डालकर मय निकालना।'' संसार भर के विद्वान व्यावहारिक रूप में इन महान विद्वानों से सहमत होते हैं। किसी विद्वान ने आज तक *बेपटिज़ो* (या ''बपतिस्मा देना'') का अर्थ ''छिड़काव'' या ''उंडेलना'' नहीं दिया है। इसका अर्थ यह हुआ कि यूनानी साहित्य की पूरी खोज करने के बाद भी किसी विद्वान को इस शज़्द का अर्थ ''छिड़कना'' या ''उंडेलना'' नहीं मिला। यूनानी लोग इनमें से किसी अर्थ में इस शज़्द का इस्तेमाल नहीं करते। इसे समझाने के लिए, हम यह जीवित तथ्य दे सकते हैं कि यूनानी कलीसिया में बपतिस्मे के लिए ''छिड़काव'' या ''उंडेलने'' की कोई प्रथा नहीं थी। इस कलीसिया में नवजात शिशुओं को बपतिस्मा देने की प्रथा तो है पर इसमें कभी किसी बच्चे को डुबोकर बपतिस्मा नहीं दिया गया। वास्तव में यूनानी लोगों में इस शज़्द का अर्थ हमारी भाषा की तरह ही स्पष्ट रूप से ''डुबोना'' था। किसी यूनानी की तरह ही हिन्दी या अंग्रेज़ी बोलने वाले किसी व्यज़्ति को '' *बेपटिज़ो* '' ''डुबोने'' का अर्थ छिड़काव की क्रिया लग सकता है।

हमारे उद्धारकर्ज़ा द्वारा इस्तेमाल की गई स्वर्ग की परिभाषा का सज़्मान न केवल सारे विद्वान और यूनानी लोग ही करते हैं बल्कि अंग्रेज़ी बोलने वाले सब लोग भी बपतिस्मे के लिए अंग्रेज़ी के शज़्द ''baptize'' का एक ही अर्थ समझते हैं। यदि सैकड़ों स्कूली बच्चे किसी दिन घर जाकर कहते हैं, ''हमारे शिक्षकों ने हमें ढेर सारा काम दे दिया,'' तो हर माता-पिता को उसका एक ही अर्थ समझ में आएगा। यदि कल को अंग्रेज़ी का कोई प्रसिद्ध समाचार पत्र यह समाचार दे, ''Mr. Jones on park street is baptized in debt'' (अर्थात पार्क स्ट्रीट पर मिस्टर जोन्स कर्ज़ में डूब गया), तो किसी को यह समझने में देर नहीं लगेगी कि मिस्टर जोन्स कर्ज़ में डूब गया या वह कर्ज़ तले दब गया है। कोई समझदार पाठक यह विश्वास नहीं करेगा कि इस आदमी ने जिसका नाम यहां दिया गया है थोड़ी सी अदायगियां करनी होंगी। सबको इसका ''एक ही अर्थ समझ'' आएगा। अंग्रेज़ी में ''baptized in trouble'' ''Baptized in work,'' ''Baptized with sufferings'' और कई दूसरे वाज़्यांशों को समझाया जा सकता है। अंग्रेज़ी के पाठक को ''baptize'' के अर्थ को समझने में देर नहीं लगेगी, न ही इसके अर्थ को समझने के लिए किसी में फूट पड़ेगी।

ज़्या इस शज़्द का अर्थ एक बाइबल में कुछ और व दूसरी भाषा में कुछ और है? समाचार पत्र की बात हम एक ही तरह कैसे समझ जाते हैं पर अपने प्रभु की शिक्षा के अर्थ को समझने में हम में फूट पड़ जाती है? निष्कपट मन वाले लोगों को चाहिए कि उज़र देने से पहले वे इस पर विचार करें। संसार में बपतिस्मे की क्रिया पर फूट पड़ने का कोई कारण नहीं है। यदि हमारे मन में एक होने की इच्छा हो तो हम एक हो सकते हैं। इसमें रुकावट केवल लोगों के अपने गुट, या साज़्प्रदायिक कलीसियाओं द्वारा बनाने की शिक्षाएं ही हैं।